एमाउस/EMMAUS एक विश्वव्यापी आन्दोलन गरीबी और अपवर्जन से निपटने के लिए कार्यबद्ध। "विश्व को बदलना" संभव है, जब तक हम अपनी योग्यता के अनुसार एकजुट होकर कर कार्य करगें

1999 की विश्व सभा में की गयी घोषणा के मुख्य अंश (ओरलीन्स फ्रॉन्स)

एमाउस आन्दोलन का सार्वभौमिक घोषणा-पत्र

1969 की विश्व सभा (बर्न स्विट्ज़रलैण्ड) मे स्थापित

हमारे नाम 'एमाउस'/Emmaus का जन्म फ़िलिस्तीन के एक गाँव के नाम पर आधारित है जहाँ निराशा को आशा में बदल दिया गया। सभी आस्तिक और अनास्तिकों के लिए यह नाम हमारे साझा दृढ़ विश्वास का द्योतक है कि, केवल प्रेम ही हम सबको एकता और एक साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकता है। एमाउस/Emmaus आन्दोलन का प्रारम्भ नवम्बर 1949 में हुआ जबरू मनवमात्र अपनी सम्पन्नता एवं अन्याय के विरूद्ध अपने सामाजिक कृतव्यों के लिए जागृत हुए एवं वे भी जिनके लिए जीवित रहने का कोई कारण नहीं बचा थाएक राह पर मिले और अपनी शक्तियों को एकजुट करके एवं एक दूसरे का सहयोग करने और उन लोगों की सहायता करने के लिए जो सबसे ज्यादा दुखी थे का दृढ़ निश्चय किया, इस विश्वास के साथ कि दूसरों की रक्षा करके ही वे अपनी रक्षा कर सकते हैं। फलतः एमाउस/Emmaus समुदायों का आरम्भ हुआ, स्वयं जीवित रहने एवं दूसरों की सहायता करने के लिए। मित्रों एवं स्वयं सेवियों के ऐसे समूह इस संघर्ष को निजी और सार्वजनिक क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए स्थापित हुए। **1.ण्हमारा संविधान** सम्पूर्ण मानव जाति पर लागू होता है जो हर जीने योग्य जीवन, सच्ची शान्ति, व्यक्ति और समाज के आनन्द पर आधारित है। "उनकी सहायता करो जो हमसे कम भाग्यशाली हैं" जो अधिक दुखी हैं उनकी सबसे पहले सहायता करो। **2.ण्ण्हमारा यह दृढ़ विश्वास** है कि इस नियम को आदर देने से न्याय के लिए कदम आगे बढ़ें और मानव समाज में शान्ति की स्थापना हो। **3.ण्हमारा उद्देश्य** यह है कि हर मानव, समाज और राष्ट्र जीवित रहे, उसका अपना स्थान हो एवं यह सब आपसी साझेदारी एवं बातचीत से सम्मानपूर्वक संभव हो। **4.ण्ण्हमारी कार्य-प्रणाली** ऐसी कार्य-पद्धति का विकास करती है जिसमें सभी लोग स्वतन्त्रता और सम्मानपूर्वक अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति एवं एक दूसरे की सहायता कर सकें। **5.ण्ण्हमारी मूलभूत प्रणाली एकत्रित करना** है जो हर वस्तु को एक नया मूल्य दे और ऐसे लोगों की संकटकालीन मदद करने में सक्षम हो जो सबसे अधिक दुखी हैं। **6.ण्ण्अन्य सभी उपायों** का प्रयोग किया जाना चाहिए जिनसे जागरूकता बढ़े और चुनौतियों का सामना कर सकें तथा उन लोगों की पहले सेवा हो जो सबसे अधिक दुखी हैं, उनकी मुसीबतों एवं संघर्ष में शामिल हों- चाहे वे निजी हों या सार्वजनिक- जब तक उनके कारणों का उन्मूलन न हो जाय। **7.ण्ण्हमारी स्वायत्तता** एमाउस/Emmaus अपने घोषणा पत्र में उल्लेखित सिद्धान्तों एवं आदर्शों के अतिरिक्त और किसी विचारधारा से बंधा हुआ नहीं है, शिवाय् जो उनके अंदरूनी कानून पर आधारित है। यह संयुक्त राष्ट्र की उद्घोषणाओं के अनुसार कार्यरत है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित किया गया है, ऐसे समाज और राष्ट्र के न्याय-संगत नियमों और कानूनों को मान्यता देते हैं जिनसे राजनीतिक, भाषागत, जातिगत, आध्यात्मिक और किसी अन्य प्रकार का भेदभाव उत्पन्न न हो। जो भी हमारे कार्य में शामिल होना चाहते हैं उनके लिए हमारे घोषणा पत्र का पालन करने से अधिक और कुछ अपेक्षित नहीं है। **8.ण्ण्हमारे सदस्य** हमारा घोषणा पत्र सुगम एवं स्पष्ट तरीके से एमाउस आन्दोलन की बुनियाद को परिभाषित करता हैं। हर वह समूह जो इस आन्दोलन का सदस्य बनना चाहता है उस समूह को एमाउस की नीतियों को अपनाकर अमल करना चाहिए।

एमाउस अंतर्राष्ट्रीय

(एक ऐसा विश्व जो गरीबों और अभावग्रस्तों के द्वारा किये गये काम की एकजुटता पर आधारित है।)

एमाउस अंतर्राष्ट्रीय अब्बे पियरे की धरोहर के रूप में एक ऐसा धर्म निरपेक्ष एकजुट आन्दोलन है जो 1971 से अब तक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष कर रहा है। इसका संघर्ष सर्वाधिक अभावग्रस्तों को उनका जीवन दूसरों की मदद करके अपना अच्छा जीवन प्राप्त करना है। भारत से पोलैण्ड ब-रास्ता पेरू या बेनिन एमाउस अन्तर्राष्ट्रीय के 36 देशों में 300 सदस्य संस्थायें हैं जो आर्थिक आयोजनों और एकजुटता को समाज के सर्वाधिक गरीबों तक पहुंचाते हैं। उनकी गतिविधियाँ बेकार वस्तुओं को इकट्ठा कर उनके नवीनीकरण, हस्तशिल्प उत्पादन, जैविक खेती से लेकर ठुकराये गये बच्चों की मदद और छोटे-छोटे ऋण प्रदान करना है। दुनियाँ के चारों कोनों में विद्यमान ये संस्थाएं अपने प्रयत्नों को जोड़कर इकट्ठे काम करती हैं और सबको एक सूत्र में बांधे हुए हैं।

> गरीबी के कारणों का समाधान

एमाउस एक आन्दोलन – सामाजिक न्याय के मूलभूत असहायक संघर्ष कर्त्ता के रूप में समाज के सबसे कमजोर तत्वों को समर्पित है, इसका उद्देश्य न केवल आपतकालीन सहायता करना है बल्कि उस वर्ग की सहायता करना है जो न्याय एवं अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत हैं अर्थात्, उनकी आवाज़ सुनी जा सकें। इस प्रतिबिद्धता के द्वारा एमाउस का सदा उनसे विवाद रहेगा जो जाने और अनज़ाने में इन मुसीबतों का कारण हैं। विशेषतः वह राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय समूह जो दूसरों का दमन करते हैं। स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एमाउस इन्टरनेशनल के प्रत्येक सदस्य को यह निश्चित करना चाहिए कि एमाउस की प्रतिबद्धता को बताने के लिए कितनी सामयिक आवश्यकता है ताकि इसे उसी आधार तक सामाजिक नीतियों का रूप दिया जा सके। आहूस डेनमार्क की 1979 की विश्व-सभा में अपनाये गये एमाउस सामाजिक प्रतिबद्धता की सम्भावनाओं और सीमाओं से उद्दृत अंश

emmaüs international
emmaus international
emaús internacional